मनोवश्लिेषण का सरलीकरण

प्रलिम्सि के लयि:

मनोवश्लिेषण

मेन्स के लयि:

मनोवश्लिेषण, मनोवश्लिेषण और आपराधकि पुनर्वास में शामलि नैतकि पहलू

सरोत: द हद्रिू

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **दल्लिी** पुलसि ने खुलासा कयाि कसिंसद उल्लंघन की घटना में आरोपी छह व्यक्तयिों को उनके उद्देश्यों को समझने के लयि **मनोवश्लिेषण (Psychoanalysis)** प्रक्रयाि से गुज़रना पड़ा।

मनोवश्लिेषण क्या है?

- **परचिय: मनोवश्लिेषण सद्धिांतों तथा चकित्सीय तकनीकों का एक समूह है जसिकी सहायता से मानसकि वकिारों का इलाज कयाि जाता है।**
  - इसका उद्देश्य मनोवैज्ञानकि अनुभव के **अचेतन तथा सचेत तत्त्वों के बीच संबंधों** की जाँच कर मानसकि स्वास्थ्य संबंधी कई समस्याओं का इलाज करना है।
  - इसकी शुरुआत 19वीं सदी के अंत तथा 20वीं सदी की शुरुआत में वनिीज़ मनोचकित्सिक **सगिमंड फ्रायड (Sigmund Freud)** ने की थी।
- **मनोवश्लिेषण से संबंधति मुख्य पहलू:**
  - **अचेतन मन:** फ्रायड ने प्रस्तावति कयाि कमिानव व्यवहार का अधकिांश हसि्सा **अचेतन इच्छाओं, भय, स्मृतयिों तथा संघर्षों** से प्रभावति होता है जो अमूमन बचपन के शुरुआती अनुभवों से उत्पन्न होते हैं।
    - मनोवश्लिेषण के माध्यम से अचेतन मन की जाँच की जाती है तथा पता लगाया जाता है कयिह कैसे **वचिारों, व्यवहारों, भावनाओं एवं व्यक्तत्वि** को आकार देता है।
  - **इड, ईगो, सुपरईगो:** फ्रायड ने मन का एक संरचनात्मक मॉडल पेश कयाि जसिमें इड/Id (प्रवृत्तयिों तथा आनंद से जनति), **अहम्/Ego (id व वास्तवकिता के बीच मध्यस्थ) तथा सुपरईगो (सामाजकि मानदंडों व मूल्यों को आंतरकि बनाता है)** शामलि है।
    - यह मॉडल मानसकि समस्याओं को समझने में सहायता करता है।
  - **मनोवश्लिेषणात्मक थेरेपी:** इसमें रोगी तथा चकित्सिक के बीच मौखकि वार्ता शामलि होती है, जसिका उद्देश्य अचेतन संघर्षों को जानना तथा कसिी की भावनाओं एवं व्यवहारों में अंतर्दृष्टपि्राप्त करना है।

मनोवश्लिेषण में शामलि नैतकि पहलू क्या हैं?

- **सूचति सहमत:ि** उपचार शुरू करने से पहले रोगी को मनोवश्लिेषण की प्रकृत,ि इसके **संभावति लाभों, जोखमिों और वकिल्पों के बारे में पूरी जानकारी होनी** चाहयि।
  - यह महत्त्वपूर्ण है क्योंकइिस प्रक्रयाि में अक्सर व्यक्तगित और संवेदनशील वषियों पर चर्चा शामलि होती है।
  - इसके अलावा सूचति सहमतपि्राप्त करना अनुच्छेद 21 के संभावति उल्लंघनों के खलिाफ भी सुरक्षा प्रदान करता है, जैसा कसिेल्वी बनाम करनाटक राज्य और अन्य मामले (2010) में उजागर कयाि गया है।
- **गोपनीयता:** चकित्सिा में **रोगी की गोपनीयता बनाए रखना सर्वोपर**ि है। हालाँकिकुछ स्थतियिों में, चकित्सिकों को नैतकि दुवधिाओं का सामना करना पड़ सकता है, जैसे कजिब कोई मरीज़ खुद के लयि या दूसरों के लयि खतरा पैदा करता है।
  - चेतावनी देने या सुरक्षा करने के कर्त्तव्य के साथ गोपनीयता को संतुलति करना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।
- **स्थानांतरण और प्रतसिंक्रमण:** पछिले **अनुभवों या अनसुलझे मुद्दों के कारण रोगी और चकित्सिक दोनों एक-दूसरे के प्रतति्तीव्र भावनाओं**

या प्रतिक्रियाओं का अनुभव कर सकते हैं।
    - इन भावनाओं को नैतिक रूप से प्रबंधित करना।
- **सांस्कृतिक संवेदनशीलता:** यह सुनिश्चित करने के लिये कि **वे उचित देखभाल प्रदान करें और विविध दृष्टिकोणों का सम्मान करें,** चिकित्सकों को सांस्कृतिक रूप से सक्षम तथा अपने पूर्वाग्रहों के बारे में जागरूक होने की आवश्यकता है।

मनोविश्लेषण आपराधिक पुनर्वास में कैसे मदद कर सकता है?

- **सहानुभूति विकसित करना:** मनोविश्लेषण व्यक्तियों को दूसरों पर उनके कार्यों के प्रभाव को समझने में **मदद करके सहानुभूति को बढ़ावा दे सकता** है।
    - आत्म-चिंतन और चिकित्सा में प्राप्त अंतर्दृष्टि के माध्यम से, अपराधी अपने व्यवहार के परिणामों की अधिक समझ विकसित कर सकते हैं, जिससे **सहानुभूति** बढ़ सकती है।
- **आवेग नियंत्रण: हिंसक या आवेगी व्यवहार के इतिहास वाले** व्यक्तियों के लिये, मनोविश्लेषण इन प्रवृत्तियों को समझने और प्रबंधित करने में सहायता कर सकता है।
    - **गहरी भावनाओं और अनसुलझे संघर्षों की खोज करके**, व्यक्ति अपनी भावनाओं तथा आवेगों को बेहतर ढंग से नियंत्रित करना सीख सकते हैं, जिससे दोबारा अपराध करने की संभावना कम हो जाती है।
- **पुनरावृत्ति को रोकना:** मूल प्रेरणाओं को संबोधित करके, **व्यक्ति विनाशकारी पैटर्न से मुक्त होने** और सार्थक तरीके से समाज में पुन: एकीकृत होने के लिये बेहतर ढंग से सुसज्जित होते हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/decoding-psychoanalysis